मूल्य 1 रु.
वर्ष: 11 - अंक : 154, मुंबई, बुधवार, 4 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY amazon.in Flipkart BHARATIYA.CO DUNZO
Order on WhatsApp
+91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

महाराष्ट्र बोर्ड के 12वीं का रिजल्ट जारी

99.63% छात्र हुए पास

6 हजार से ज्यादा स्कूलों में एक भी छात्र नहीं हुआ फेल, सबसे ज्यादा 99.8 % छात्र कोंकण मंडल में पास हुए

मुंबई। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन (MSBSHSE) यानी बारहवीं की परीक्षा का परिणाम मंगलवार को घोषित हुआ है। कोरोना संक्रमण काल इस बार 99.63% छात्र पास हुए हैं। पिछली बार की तरह ही छात्राओं का पास प्रतिशत छात्रों से ज्यादा रहा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हनी सिंह पर घरेलू हिंसा का आरोप

शादी के 10 साल बाद पत्नी शालिनी तलवार ने खोली जुबान

हनी सिंह पर मारपीट और मानसिक प्रताड़ना का मामला दर्ज

25 दिन में हनी सिंह को देना होगा जवाब

संवाददाता

नई दिल्ली। बॉलीवुड में अपने गानों के लिए मशहूर पंजाबी सिंगर यो यो हनी सिंह के खिलाफ उनकी पत्नी शालिनी तलवार ने घरेलू हिंसा कानून के तहत केस दर्ज करवाया है। पत्नी की शिकायत पर दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने हनी सिंह को नोटिस भेजकर उनका जवाब तलब किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

20 साल की दोस्ती और प्यार के बाद की थी शादी

हनी सिंह और शालिनी की शादी 2011 में दिल्ली के ही एक गुरुद्वारे में हुई थी। 2014 में हनी सिंह ने रियलिटी शो इंडियाज रॉकस्टार के एक एपिसोड में अपनी पत्नी को लोगों से मिलवाया था। कई लोग हैरान थे कि उन्होंने बॉलीवुड के मेगा प्रोजेक्ट्स में एक्टिंग करने से पहले ही शादी कर ली। अब शालिनी ने पति पर शारीरिक और मानसिक हिंसा का आरोप लगाया है।

महाराष्ट्र के बाढ़ पीड़ितों के लिए सरकार ने खोला खजाना

मिलेगी 11, 500 करोड़ की मदद

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 11 हजार 500 करोड़ रुपये की मदद का ऐलान किया है। यह फैसला मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की मीटिंग के बाद लिया गया। हाल ही में महाराष्ट्र के कोंकण और अन्य जिलों में आई भीषण बाढ़ में राज्य आम जनता का भारी नुकसान से हुआ है। राज्य की जनता लगातार सरकार से मुआवजे की मांग कर रही थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हॉकी की परियां

टोक्यो ओलंपिक में अपने चमत्कारिक प्रदर्शन की बदौलत सेमीफाइनल में पहली बार पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम वाकई प्रशंसा की हकदार है। शुरूआती मैचों में लगातार हार के बाद उसने जिस तरह से पदक की प्रतिस्पर्द्धा में वापसी की, और कल इस खेल की दिग्गज टीम ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से परास्त किया, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही देशवासियों की उससे उम्मीदें बढ़ गई हैं। कल अर्जेंटीना से मुकाबले में टीम की लड़कियां यकीनन बुलंद हौसले के साथ मैदान में उतरेंगी। इतिहास रचने से दो कदम दूर खड़ी महिला हॉकी टीम की इस जीत की अहमियत को इसके मुख्य कोच सोर्ड मारिन ने कहीं बेहतर तरीके से रखा है- हम सोच रहे थे कि इस टीम का सर्वोच्च लक्ष्य क्या है? यह भारतीय लड़कियों को प्रेरित करने से जुड़ा है। यही वह विरासत है, जो ये लड़कियां अपने देश की बेटियों के लिए तैयार करना चाहती हैं। ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी का अतीत काफी सुनहरा रहा है, लेकिन 1980 के बाद से टीम ओलंपिक पदक के लिए तरसती रही है। ऐसे में, जब क्वाटर फाइनल में इसने ब्रिटेन को 3-1 से हराया, तो मास्को ओलंपिक की यादें ताजा हो आईं। तब जबर्दस्त फॉर्म में दिख रही स्पेन की टीम को मोहम्मद शाहिद के चपल कदमों ने हार का स्वाद चखने को बाध्य कर दिया था। आज सुबह जब पुरुष हॉकी टीम बेल्जियम से मैदान में मुकाबला कर रही है, तब उससे उसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है। चूंकि आजादी के बाद दशकों तक ओलंपिक आयोजनों में राष्ट्रीय धुन बजाए जाने का गौरव हॉकी ने सर्वाधिक उपलब्ध कराया, इसलिए इससे देशवासियों का एक भावनात्मक जुड़ाव रहा है। लेकिन बाद के वर्षों में इसकी जगह क्रिकेट ने ले ली, क्योंकि क्रिकेट में टीम इंडिया का प्रदर्शन निखरता गया और हॉकी खेल संघों की राजनीति का शिकार होती गई। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से सरकारों की दिलचस्पी और पेशेवराना रुख के नतीजे सामने आने लगे हैं। महिला हॉकी टीम की कई खिलाड़ी बहुत साधारण पृष्ठभूमि से उभरकर यहां तक पहुंची हैं। ऐसे में, उनमें जूझने के जज्बे और मानसिक मजबूती की कोई कमी नहीं है, जरूरत उनके हुनर को तराशने की है, और यह काम बेहतर खेल-संस्कृति से ही होगा। पिछले दिनों हमने ऐसी अनेक खबरें पढ़ीं कि गरीब घरों की कई खेल प्रतिभाएं इसलिए मजदूरी करने को बाध्य थीं, क्योंकि उनके माता-पिता उन्हें जरूरी खुराक मुहैया कराने में असमर्थ थे। पदक जीतने के बाद करोड़ों की बारिश का अपना महत्व हो सकता है, मगर पदक मंच तक खिलाड़ियों को पहुंचाने के लिए पर्याप्त निवेश कहीं अधिक जरूरी है। देश के अधिक से अधिक खिलाड़ियों को ओलंपिक पोडियम तक पहुंचाने के लिए सरकार को 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' जैसे और कार्यक्रम शुरू करने होंगे। महिला हॉकी टीम ने यह तो साबित कर दिया है कि इन खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। इन्हें बस अनुभव और प्रशिक्षण की दरकार है। बहरहाल, सवा सौ करोड़ से अधिक आबादी वाला देश पदक तालिका में 60 देशों के बाद खड़ा हो, इस तस्वीर को बदलने की जरूरत है। अब तक टोक्यो ओलंपिक में बेटियों ने अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया है, जो बताता है कि हमने उनकी क्षमताओं को ठीक से परखा ही नहीं!

लॉकडाउन नहीं वैक्सीनेशन पर ध्यान दें

कोरोना वायरस की महामारी से लड़ने की रणनीति बदल गई है। दुनिया भर के देशों ने अब यह मान लिया है कि कोरोना के साथ ही रहना होगा और इसलिए लॉकडाउन लगाने का उपाय अब नहीं आजमाया जा सकता है। दुनिया ने पिछले डेढ़ साल में महामारी से मुकाबले के दौरान यह सबक सीखा है। तभी ब्रिटेन में केसेज बढ़ने के बीच 19 जुलाई से सब कुछ खोल दिया गया। उधर अमेरिका में एक दिन में रिकार्ड संख्या में 88 हजार नए केस मिले फिर भी वहां के शीर्ष वैज्ञानिक डॉक्टर एंथनी फॉची ने कहा कि अमेरिका में अब लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डेल्टा वैरिएंट बेहद संक्रामक है लेकिन इसके खतरे के बावजूद वे अब लॉकडाउन की संभावना नहीं देख रहे हैं। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक और यूरोप के ज्यादातर देशों में अब लॉकडाउन की बजाय वैक्सीनेशन के जरिए वायरस को काबू किया जा रहा है। जल्दी से जल्दी अधिकतम आबादी को वैक्सीन लगाने की योजना पर काम हो रहा है। इसके उलट भारत के आठ राज्यों में लॉकडाउन जैसी स्थितियां हैं और 23 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन लगा हुआ है। बहरहाल, मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में जरूर कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने के बाद कुछ जगहों पर लॉकडाउन लगाया गया है लेकिन इन देशों में पहले लॉकडाउन लगा कर आर्थिकी का चक्का नहीं रोका गया था। इसलिए अभी इन देशों को पता नहीं है कि महामारी को रोकने के लिए लॉकडाउन लगाने की रणनीति अर्थव्यवस्था पर कैसा असर डालती है। भारत इसका सबसे बड़ा शिकार है। भारत की तरह दुनिया के और भी देशों में लॉकडाउन की वजह से कोरोना की महामारी पर कुछ हद तक काबू पाया गया था लेकिन अर्थव्यवस्था मंदी के दौर में चली गई थी। तभी यूरोप के एक वैज्ञानिक ने कहा था कि कोरोना को रोकने के लिए अर्थव्यवस्था को ठप्प करना ऐसा है, जैसे चींटी से बचने के लिए हाथी खाई में गिर जाए। बहरहाल, दुनिया के जो भी देश लॉकडाउन की वजह से आर्थिक मंदी का शिकार हुए उनकी अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटने

लगी है। अमेरिका में आर्थिक विकास की गति तेज हो गई है। चीन की अर्थव्यवस्था तो कुलांचे मार रही है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत एकमात्र देश है, जहां लॉकडाउन का सबसे बुरा असर हुआ है। डेढ़ साल बाद भी ऐसा नहीं लग रहा है कि सब कुछ ठीक हुआ है। तभी आर्थिकी के ज्यादातर जानकार मान रहे हैं कि अगर भारत में तीसरी लहर आती है तो देश तीसरी बार लॉकडाउन बरदाश्त करने की स्थिति में नहीं होगा। अगर फिर से लॉकडाउन लगाने की स्थिति आई तो भारत में बड़ी आर्थिक बरबादी होगी। करोड़ों लोगों का जीवन दूभर होगा। इसलिए भारत सरकार को हर हाल में तीसरी लहर को रोकने के उपायों पर ध्यान देना होगा।

भारत के लिए चिंता की बात यह है कि दूसरी लहर खत्म नहीं हो रही है। देश के कम से कम 10 राज्यों में कोरोना वायरस के संक्रमण की स्थिति बिगड़ी है। एक सौ के करीब जिले ऐसे हैं, जहां संक्रमण की दर पांच फीसदी से ऊपर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ के मुताबिक पांच फीसदी से ऊपर संक्रमण दर का मतलब है कि महामारी काबू में नहीं आई है। ऊपर से डेल्टा वैरिएंट के बारे में कहा जा रहा है कि यह कोरोना के मूल स्वरूप यानी अल्फा वैरिएंट के मुकाबले 10 गुना तेजी से फैल सकता है। यह चेचक की तरह संक्रामक है यानी एक संक्रमित व्यक्ति आठ से 10 लोगों को संक्रमित कर सकता है। उधर कोरोना महामारी के बीच जीका वायरस के केसेज देश के अलग अलग हिस्सों में मिलने लगे हैं और ब्लैक फंगस पर अभी पूरी तरह से काबू नहीं पाया गया है। इसलिए भारत के सामने बड़ी चुनौती मौजूद है और बिना ठोस कार्ययोजना के इससे पार नहीं निकला जा सकता है। तीसरी लहर को रोकना का सबसे पहला और सर्वाधिक कारगर उपाय यह है कि वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाई जाए। इसमें संदेह नहीं है कि 21 जून को वैक्सीनेशन नीति में बदलाव के बाद इसकी रफ्तार बढ़ी है लेकिन जुलाई में फिर वैक्सीन की उपलब्धता का संकट खड़ा हो गया। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन की जितनी डोज उपलब्ध होनी थी उतनी नहीं हो पाई। तभी जुलाई के अंत तक 50 करोड़ डोज लगाने का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। अमेरिकी वैक्सीन फाइजर और मॉडर्ना के भारत आने का मसला इन्डेम्निटी बांड की भाषा के चक्कर में उलझा रह गया। रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी का अभी भारत में उत्पादन शुरू नहीं हुआ है। सो, अभी तक ले-देकर कोवीशील्ड और कोवैक्सीन इन्हीं दो के सहारे काम चल रहा है। भारत में अभी तक कुल 28 फीसदी आबादी को कम से कम एक डोज लगी है और सिर्फ आठ फीसदी आबादी पूरी तरह से वैक्सीनेट हो पाई है। अगर कोरोना की रफ्तार रोकनी है या तीसरी लहर को आने से रोकना है तो कम से कम 20 फीसदी आबादी को पूरी तरह से टीका लग जाना चाहिए। भारत सरकार भले कह रही है कि टीके की कमी नहीं है लेकिन यह पूरा सच नहीं है। मिसाल के तौर पर दिल्ली में अभी हर दिन औसतन 70 हजार के करीब टीके लग रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री का कहना है कि अगर टीके उपलब्ध हों तो हर दिन तीन लाख टीके लगाने की क्षमता है। इसी तरह हर राज्य में क्षमता से कम संख्या में टीके लग रहे हैं। इसके अलावा अब भी सरकार की प्राथमिकता पहला डोज लगाने की दिख रही है, जबकि यह कई शोध से पता चल गया है कि पहली डोज बहुत कारगर नहीं है। इजराइल में तीसरी डोज की तैयारी हो रही है तो अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप में शोध से पता चला है कि फाइजर और मॉडर्ना जैसी वैक्सीन से बनी एंटीबॉडी भी 12 हफ्ते के बाद तेजी से कम हो रही है। इसका मतलब है कि हर व्यक्ति को बूस्टर डोज लगाने की भी जरूरत पड़ेगी। सोचें, भारत में अभी एक चौथाई लोगों को ही पहली डोज लगी है अगर इनकी एंटीबॉडी खत्म हो जाती है तो क्या स्थिति होगी?

जम्मू में था रक्तपात न कि घाटी में!

झूठी धारणा है कि 1947 में हिंदू बनाम मुस्लिम का विभाजक सेंटर घाटी थी। या यह मानना कि शेख अब्दुला धुरी थे। उनसे घाटी में शांति रही। ये फालतू बातें हैं। सन् 1946-1948 में जो हुआ वह महाराजा हरिसिंह और जम्मू केंद्रीत था। जम्मू में ही सर्वाधिक रक्तपात हुआ। इतना अधिक कि विभाजन दौरान पंजाब में सर्वाधिक खूनखराबे की धारणा भी गलत लगेगी। और भारत राष्ट्र-राज्य के इतिहास का त्रासद सत्य है जो तब का सर्वदलीय कैबिनेट रक्तपात का मूक दर्शक था। जम्मू क्यों खूनखराबे का केंद्र बना? कई कारण थे। विभाजन रेखा ज्योंहि बनी तो पाकिस्तानी पंजाब से हिंदू-मुस्लिम शरणार्थियों की आवाजाही वाया जम्मू शुरू हुई। इसलिए कि तब वाया जम्मू से सियालकोट-पठानकोट का सड़क रास्ता था। जम्मू की बसावट में तब पूर्व में हिंदू और पश्चिम में मुस्लिम (पाकिस्तान से सटा इलाका) बहुलता थी। मुस्लिम बहुल इलाके में दबदबे वाली पार्टी मुस्लिम कांफ्रेस थी। उसने मुस्लिम

लीग की शह और मदद से रियासत के पाकिस्तान में विलय या महाराजा को भगाने के इरादे में राजशाही के खिलाफ कश्मीर के मुसलमानों को खड़ा किया था। हां, दिशंबर 1946 में ब्रितानी रेजिडेंट की रिपोर्ट थी कि मुस्लिम कांफ्रेस के नए नेता चौधरी गुलाम अब्बास और आगा शौकत अली मुसलमानों की एकजुटता के हवाले लोगों को भड़का रहे है। एक सियासी पहलू यह भी था कि मुस्लिम लीग ने जब पाकिस्तान का हिस्सा बनने वाले पंजाब में यूनियनिस्ट सरकार व सीमावर्ती एनडब्ल्यूएफपी में कांग्रेस सरकार को बलात गिरा कर (क्या गजब तथ्य कि विभाजन से पहले पंजाब में यूनियनिस्टो की और सीमाई सूबे में कांग्रेस की सरकार थी!) हिंदुओं को भगाना शुरू किया तो आवाजाही का रास्ता होने से जम्मू में हिंदू-मुस्लिम तनाव बनना ही था। दोनों सरकारों को गिरा कर लीग ने सीमावर्ती एनडब्ल्यूएफपी सूबे से हिंदुओं को बेरहमी से भगाना शुरू किया। हजारा जिले से भगाए हिंदू-सिख जम्मू के मुजफराबाद आदि कस्बों में पंहुचने लगे। मारकाट-बलात्कार-लूट आदि की खबरे सुन जम्मू के हिंदुओं का गुस्साना स्वभाविक था। जम्मू में हिंदू संगठित होने लगे। प्रेमनाथ डोगरा की कमान में राज्य हिंदू सभा बनी जिसमें आरएसएस, अकालियों का निश्चित ही रोल था।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा देवी रोड की सईदा विला में खूनी वारदात

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शहर में बढ़ती हुई खूनी वारदातों का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा शहर में, आए दिन कोई ना कोई खूनी वारदातों की घटनाएं सामने आ रही है शहर में जो खूनी वारदातें घट रही हैं उसका मुख्य कारण नशाखोरी बताया जा रहा है। यह व्यक्ति नशा करने के बाद ही खूनी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसी ही एक और खूनी वारदात का मामला प्रकाश में आया है। मुंब्रा रेलवे स्टेशन से सटा हुआ मुंब्रा देवी रोड की है, आरिफ वर्ष 25 रहिवासी सईदा विला बी विंग चौथा मंजिला 2 जुलाई सोमवार सवेरे 11:00 बजे की है जब आरिफ अपने घर पर सो रहा था तभी अचानक उसका साला बबलू जबरन घर में घुसकर धारदार हत्यार से आरिफ के गले पर वार कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि बबलू नामक व्यक्ति कथित तौर पर नशे का सेवन किया करता था और यह खूनी वारदात को अंजाम देने के वक्त भी यह व्यक्ति नशे की हालत में था। सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार यह खूनी वारदात की घटना का कारण पारिवारिक रंजिश बताई जा रही है। सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घायल अवस्था में आरिफ को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में उपचार हेतु ले जाया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। मुंब्रा पुलिस ने बबलू के खिलाफ सीआरपीसी 307 धाराओं के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

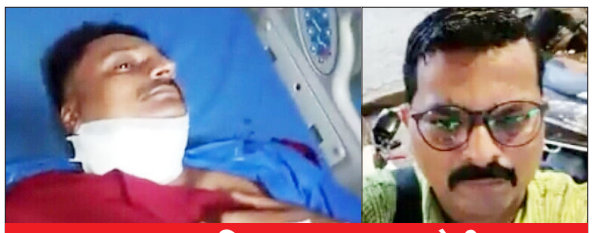

घायल आरिफ | आरोपी बबलू

मनपा आयुक्त विपिन शर्मा की मनमानी के चलते विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान और तमाम नगरसेवकों ने किया आंदोलन

संवाददाता/समद खान

ठाणे। विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान आनंद परांजपे और कई नगर सेवकों के साथ ठाणे मनपा मुख्यालय के बाहर आंदोलन किया विरोधी पक्ष नेता अशरफ पठान ने मनपा आयुक्त विपिन शर्मा पर यह आरोप लगाया है कि हमने लगातार पत्र व्यवहार किया फिर भी उन्होंने बुलाया नही जब तमाम नगरसेवक को ने यहां आंदोलन किया हैं फिर हम लोगों को बात करने के लिए बुलाया जा रहा है नगरसेवक शानू पठान ने कहा अगर नगरसेवकों की समस्या बजट के माध्यम से दूर नहीं की गई तो हम तमाम नगरसेवक माननीय जितेंद्र अवार्ड के मार्गदर्शन में आनंद परांजपे की मार्गदर्शन में मनपा आयुक्त के दालन के बाहर संगठन बाहर आंदोलन करेंगे उन्होंने कहा विश्व ट्री सदस्य का भी यही कहना है की मानपा आयुक्त अपनी मनमानी कर रही हैं 6 महीने से ट्री कमेटी के मीटिंग तक नहीं ली गई है है और जो भी निर्णय लेना है वह भी मनपा आयुक्त अपने तौर पर ही ले रहे हैं ना सूचना दी जा रही है ना चर्चा की जा रही है और नहीं ही सदस्य को बोलने दिया जा रहा है सारे निर्णय एक तरफा लिए जा रहे हैं यह स्पष्ट रूप से कहा और वही एनसीपी नेता आनंद परांजपे ने भी अपनी कठोर प्रतिक्रिया देते हुए कहा एनसीपी के तमाम नगरसेवक यहां विरोधी पक्ष नेता शानू पठान के नेतृत्व में मानपा मुख्यालय प्रवेश द्वार के बाहर आंदोलन कर रहे हैं उन्होंने कहा कि लगातार कई महीनों से विरोधी पक्ष नेता शानू पठान जनता के हितों के लिए कई प्रश्नन उठा रहे हैं चाहे वह इसटैम का मसला हो चाहे वह मशान भूमि भ्रष्टाचार का मसला हो चाहे वह बजट में नगर सेवकों की निधि का मसला हो उसका कोई भी उत्तर नहीं दे रहे हैं एनसीपी के तमाम नगरसेवक को ने जब लसीकरण के कैंप की बात की तो उन्होंने साफ तौर पर ठुकरा दिया और जब हम आज तमाम नगरसेवक आंदोलन में बैठे हैं तो हम लोगों को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है उन्होंने साफ तौर पर कह दिया है मनपा आयुक्त शिवसेना के बतौर एजेंट काम कर रहे हैं उन्होंने कहा कि अगर मनपा आयुक्त नगरसेवको के तमाम मसलों को हल नहीं किया गया तो एनसीपी मनपा आयुक्त के दालान के बाहर आंदोलन करेगी और संगठन महापालिका के बाहर आंदोलन करेगा यह हमारी चेतावनी है।

बीएमसी की मदद से धूम मचाते वाहन चालकों पर नजर

मुंबई। तेज गति से गाड़ी चलाने वाले चालकों पर नजर रखने के लिए मुंबई में जगह-जगह सीसीटीवी लगाई गई है। साथ ही महत्वपूर्ण मार्गों पर गाड़ियों के नंबर प्लेट पहचाने वाले कैमरे लगाए गए हैं। वर्ष 2018 में लगाई गई सीसीटीवी की नियमित देखभाल की जरूरत है। साथ ही, बंद पड़ गए कैमरों की मरम्मत किया जाना है। सीसीटीवी की देखभाल एवं मरम्मत पर बीएमसी 1 करोड़ 58 लाख रुपये खर्च करेगी। मुंबई में सड़क पर चलते समय वाहनों की गति तय है। इसके लिए गाड़ियों के हिसाब से गति निश्चित की गई है। ईस्टर्न व वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे, ईस्टर्न फ्री-वे, बांद्रा-वर्ली सी-लिंक, मरीन लाइंस व जेजे फ्लाइओवर सहित कुछ खास मार्गों पर वाहनों की गति पर नजर रखने के लिए स्पेशल सीसीटीवी लगाई गई है। इन सीसीटीवी की नियमित देखभाल की आवश्यकता है। पुलिस प्रशासन ने सीसीटीवी की देखभाल व मरम्मत बीएमसी के जरिए कराने का अनुरोध किया है। उसी के अनुसार बीएमसी ने यह जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया है। बीएमसी ने इसके लिए 1 करोड़ 58 लाख रुपये खर्च करने का फैसला किया है।

लोहे के अवैध कारोबार को लेकर दो गुटों में झड़प, एक घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के नवी मुंबई इलाके में लोहे की छड़ों के अवैध व्यवसाय को लेकर दो गुटों के बीच झड़प हो गयी जिससे इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह इयानुल हक नामक एक व्यवसायी अपने साथियों के साथ किसी विवाद के मामले में कलम्बोली स्थित अपने पार्टनर इम्तियाज खान के गोदाम पर पहुंचा और उसके कर्मचारियो के साथ मार पीट की। उन्होंने बताया, इसके बाद हक और उसके साथी वाशी स्थित खान के आवास पर पहुंचे और उसके परिजनों को धमकाया। जब खान को इस बारे में पता चला तो उसने और उसके साथियों ने हक का पीछा किया। उन लोगों ने हक को जमकर पीटा और खारघर में एक डिवाइडर पर उसे खून से लथपथ अवस्था में छोड़ दिया। हक के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया और इसके बाद उसकी जान बची। अधिकारी ने बताया कि कलम्बोली पुलिस ने खान पर हमला करने के आरोप में हक और उसके लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बाद में खारघर पुलिस ने खान और उसके कुछ संबंधियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में दोनों तरफ से अब तक गिरफ्तारियां नहीं हुयी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र बोर्ड के 12वीं का रिजल्ट जारी

इस बार 13 लाख 14 हजार 965 छात्र पास हुए हैं। बोर्ड के मुताबिक, इस बार 6 हजार 542 स्कूलों के 100 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए है। बोर्ड की ओर से बताया गया है कि इस बार साइंस स्ट्रीम में 99.45%, आर्ट्स स्ट्रीम में 99.83% और कॉमर्स स्ट्रीम में 99.81% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इस साल राज्य में सिर्फ 12 छात्रों को 35 फीसदी और 46 छात्रों को 100 फीसदी अंक मिले हैं। साथ ही 91,435 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। यही नहीं 1372 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। बोर्ड के मुताबिक, 66 हजार 871 का फिर से एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया था। जिसमें से 66 हजार 867 छात्र पास हुए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस की वजह से बोर्ड की परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया था। बाद में बोर्ड ने इंटर्नल मार्क्स (MSBSHSE 12th Evaluation Criteria) के आधार पर छात्रों को प्रमोट करने का फैसला किया था। मूल्यांकन का फॉर्मूला 40:30:30 है। कक्षा 12वीं के इंटरनल में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों को 40 प्रतिशत वेटेज दिया गया है, कक्षा 11वीं के फाइनल स्कोर को 30 प्रतिशत वेटेज और शेष 30 प्रतिशत वेटेज कक्षा 10वीं के तीन विषय के थ्योरी पेपर के सर्वश्रेष्ठ के औसत को दिया गया है। सभी राज्यों को 31 जुलाई तक का बोर्ड का रिजल्ट घोषित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की तरफ से दिया गया था। 12वीं कक्षा के छात्रों के अंक वेबसाइट पर अपलोड करने की समय सीमा 23 जुलाई तक दी गई थी।

हनी सिंह पर घरेलू हिंसा का आरोप

खबर के अनुसार, पत्नी ने यो यो हनी सिंह यानी देश सिंह के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ वुमन फ्रॉम डोमेस्टिक वायोलेंस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया करवाया है। केस मंगलवार को ही तीस हजारी कोर्ट की चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट तानिया सिंह के समक्ष दर्ज हुआ है। खबर के अनुसार, कोर्ट ने हनी सिंह को जवाब देने के लिए 28 अगस्त तक का वक़्त दिया है। इसके साथ शालिनी तलवार के हक में अंतरिम आदेश भी पारित किया गया है, जिसमें हनी सिंह को दोनों की संयुक्त प्रॉपर्टी से दूर रहने के निर्देश दिये गये हैं। बता दें, 2014 में हनी सिंह ने रिएलिटी शो इंडियाज रॉस्टार शो में अपनी पत्नी को पहली बार इंट्रोड्यूस करवाया था। दर्शकों के लिए भी यह एक चौंकाने वाली बात थी कि बॉलीवुड में नाम कमाने से पहले ही हनी सिंह शादी कर चुके थे। यो यो हनी सिंह ने बॉलीवुड में अपने सिंगिंग करियर की शुरूआत 2011 में की थी। 2012 में आयी कॉकटेल के गाने अंग्रेजी बीट से हनी सिंह को काफी लोकप्रियता मिली थी। 2020 में यो यो हनी सिंह ने छलांग और मुंबई सागा के लिए गाने बनाये।

महाराष्ट्र के बाढ़ पीड़ितों के लिए सरकार ने खोला खजाना

सरकार की तरफ से भी बाढ़ग्रस्त इलाकों का पंचनामा किया जा रहा था। ताकि बाढ़ की वजह से हुए नुकसान का आंकलन किया जा सके। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे खुद तमाम बाढ़ प्रभावित जगहों पर जाकर हालात का जायजा ले रहे हैं। साथ ही तमाम बाढ़ पीड़ितों से बातचीत कर उन्हें सांत्वना भी दे रहे हैं। वे उन्हें हर संभव मदद का भी भरोसा दिला रहे हैं। राज्य की जनता को सरकार से इसी प्रकार के राहत पैकेज की उम्मीद थी। ना सिर्फ मुख्यमंत्री बल्कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार समेत राज्य के तमाम मंत्री अपने-अपने इलाकों में बाढ़ पीड़ित लोगों की समस्याओं का हाल जानने में लगे हुए हैं।

12वें दौर की सैन्य कमांडरों की बैठक

नहीं निकला कोई समाधान एलएसी पर गतिरोध जारी

संवाददाता / नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में बीते करीब डेढ़ साल से जारी एलएसी विवाद को लेकर पिछले हफ्ते शनिवार को भारत और चीन के सैन्य कमांडरों के बीच हुई 12वें दौर की बैठक बेनतीजा साबित हुई है।

इस दौरान दोनों पक्षों के बीच मौजूदा सीमाई विवाद को लेकर काफी व्यापक चर्चा तो जरूर हुई। लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। एलएसी पर अब भी दोनों देशों के बीच गतिरोध कायम है। यहां बता दें कि एलएसी विवाद की शुरुवात पिछले साल अप्रैल के अंत और मई महीने की शुरुवात में चीन की आक्रामकता से हुई थी।

समझौतों का किया जाएगा पालन

इस बैठक के दो दिन बाद सोमवार को विदेश मंत्रालय द्वारा एक साझा बयान जारी किया गया है। जिसके हिसाब से उक्त चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने पेंगांग को छोड़कर एलएसी के बाकी विवादित इलाकों से सेनाओं की वापसी के मामले पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया है। साथ ही मौजूदा तनाव के बीच एलएसी पर शांति और सौहार्द कायम करने के लिए पूर्व में हुए द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल के तहत त्वरित आधार पर जल्द समाधान निकालने को लेकर भी सहमति जताई गई है।

बातचीत की प्रक्रिया जारी रहेगी

12वीं बैठक को भारत-चीन के सैन्य कमांडरों ने सकारात्मक मानते हुए इसे भविष्य में भी दोनों के बीच विश्वास को बढ़ाने वाली बताया है। दोनों देश आगामी समय में भी बातचीत की प्रक्रिया को जस का तस बनाए रखने के पक्ष में हैं। इसके अलावा दोनों देशों के बीच इस बात पर भी सहमति बनी है कि वो संयुक्त रूप से पश्चिमी सीमा पर एलएसी पर स्थायित्व कायम करने के लिए कारगर ढंग से प्रयास करेंगे और शांति-सौहार्द को बनाए रखेंगे।

11दौर की बैठकों के बाद पेंगांग से पीछे हटी सेनाएं

गौरतलब है कि बीते 31 जुलाई को हुई 12वें दौर की यह बैठक एलएसी पर चुशुल-मॉल्डो बैठक स्थल पर हुई। इसके पीछे पिछले महीने 14 जुलाई को दुशांबे में हुई भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की बातचीत और 25 जून 2021 को हुई डब्ल्यूएमसीसी की 22वीं बैठक मुख्य आधार के रूप में उभरकर सामने आई हैं। दोनों देशों के बीच एलएसी पर अब गॉग्रा, हॉटस्प्रिंग, देपसांग-डीबीओ जैसे इलाकों में एलएसी पर विवाद चल रहा है। बीते वक्त में हुई 11 दौर की बैठकों के बाद इस साल हुए समझौते के बाद केवल पेंगांग झील के दोनों किनारों से ही सेनाओं की वापसी हुई है। चीन का रुख एलएसी पर आक्रामक बना हुआ है। लेकिन भारत की सशस्त्र सेनाएं ड्रैगन द्वारा दी जाने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान के बहावलपुर में आतंक का पूरा साम्राज्य खड़ा किया?

मसूद ने किस कदर फैलाया टेरर नेटवर्क? मारे गए आतंकी के फोन से खंगाल रहीं एजेंसियां

इस्माइल अल्वी के एनकाउंटर के दौरान मिले तीन आई फोन के जरिए सुरक्षा एजेंसियां मसूद अजहर के आतंकी साम्राज्य का नेटवर्क खंगाल रही हैं, सेना और पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां इन तीनों मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच के जरिए मसद का पूरा कच्चा चिट्ठा निकाल रही हैं, इसी नेटवर्क का इस्तेमाल कर आतंकी हमलों को अंजाम दिया जाता है

संवाददाता / नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में जैश आतंकी इस्माइल अल्वी के एनकाउंटर के दौरान मिले तीन आई फोन के जरिए सुरक्षा एजेंसियां मसूद अजहर के आतंकी साम्राज्य का नेटवर्क खंगाल रही हैं। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां इन तीनों मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच के जरिए मसूद का पूरा कच्चा चिट्ठा निकाल रही हैं। दरअसल मसूद ने पाकिस्तान के बहावलपुर आतंक का पूरा साम्राज्य खड़ा कर रखा है। इस नेटवर्क में उसके परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। इसी नेटवर्क का इस्तेमाल कर भारत में आतंकी हमलों को अंजाम दिया जाता है। दरअसल पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकवादी इस्माइल अल्वी उर्फ सैफुल्ला को दो दिन पहले स्थानीय लोगों के इनपुट के बाद सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया था। अल्वी को लंबू और अदनान जैसे नामों से भी जाता था। लंबू की हरकतों से स्थानीय लोग डरे रहते थे और उसके मूवमेंट की जानकारी सेना को दे दी गई। जैश सरगना मसूद के परिवार से रिश्ता रखने वाला लंबू को सुरक्षाबलों ने घेरकर ढेर कर दिया। विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रशीम बाली ने बताया था, हमें जम्मू-कश्मीर पुलिस और स्थानीय लोगों से लंबू के मूवमेंट के बारे में जानकारी मिल रही थी। त्राल इलाके में वह लोगों के साथ बुरा बर्ताव करता था। बता दें, पुलवामा में ही समीर डार नामक एक और आतंकी मारा गया था। वह लेथपोरा आतंकी हमले में शामिल था।

खास बातें

- लंबू की हरकतों से स्थानीय लोग डरे रहते थे और उसके मूवमेंट की जानकारी सेना को दे दी गई, इनपुट के बाद सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया था
- लंबू के मूवमेंट के बारे में जानकारी मिल रही थी, त्राल इलाके में वह यहां के स्थानीय लोगों के साथ बुरा बर्ताव करता था

आतंक की ट्रेनिंग ली थी तालिबान से

सैफुल्ला ने तालिबान से आतंक की ट्रेनिंग ली थी, रिपोर्ट के अनुसार वह आईईडी तैयार करने में माहिर था। उसने भारत में 2017 में घुसपैठ की थी। इसके बाद से ही वह घाटी में लगातार सक्रिय था। अदनान को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जेईएम के शीर्ष रउफ अजहर, मौलाना मसूद अजहर और अमार के बड़े सहयोगियों में गिना जाता था।

पीडीपी प्रमुख महबूबा ने लगाया आरोप आतंकियों के मददगार छोड़ दिए, बेकसूर कश्मीरी जेल में

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को आरोप लगाया कि पिछले साल एक वाहन में

आतंकियों को ले जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस अधिकारी देविंदर सिंह को केंद्र ने छोड़ दिया जबकि आतंक रोधी कानूनों के तहत बेकसूर कश्मीरियों को वर्षों तक जेल में रहना पड़ता है। सरकार पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए महबूबा ने कहा कि कश्मीरियों को निर्दोष साबित होने तक दोषी माना जाता है।

लश्कर-ए-तैयबा मॉड्यूल को भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनपर आरोप है कि ये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर के इलाके के युवाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए ट्रेनिंग दे रहे थे। लश्कर-ए-तैयाब और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों को जॉइन करने के लिए उकसाते थे।

पत्थरबाजों के खिलाफ दिए आदेश का विरोध

जम्मू-कश्मीर पुलिस की सीआईडी ब्रांच ने पत्थरबाज और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए सरकारी नौकरी और पासपोर्ट के लिए सिक्योरिटी क्लीयरेंस से इनकार करने का आदेश दिया है। पुलिस के इस फैसले पर अब राजनीति भी तेज हो गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने पुलिस के आदेश का विरोध किया है। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि पुलिस रिपोर्ट अदालत के आदेश की जगह नहीं ले सकती। उन्होंने ट्वीट किया, पुलिस रिपोर्ट अदालत में दोषी पाए जाने का विकल्प नहीं हो सकती है।

केरल में कोरोना की तीसरी लहर का खतरा, एक्सपर्ट ने जारी किया अलर्ट

कोच्चि। केरल में एक बार फिर से कोविड मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसे देखते हुए महामारी विशेषज्ञों और हेल्थ एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है कि यह कोरोना महामारी की तीसरी लहर की शुरूआत हो सकती है। हालांकि, राज्य के अधिकारियों ने औपचारिक तौर पर तीसरी लहर का ऐलान नहीं किया है। जून के चौथे सप्ताह में हर रोज केरल में 12 से 14 हजार कोविड मरीज आ रहे थे। उसकी तुलना में जुलाई के पिछले सप्ताह में प्रतिदिन 20 से 22 हजार मरीज दर्ज किए गए। पिछले छह दिनों में टेस्टिंग पॉजिटिविटी रेट 12 पर्सेंट से ऊपर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के जॉइंट सेक्रटरी लव अग्रवाल ने भी मंगलवार को कहा कि देश में 44 ऐसे जिले हैं जिनमें 10 पर्सेंट से ज्यादा पॉजिटिविटी रेट है। ये जिले केरल, मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड में हैं। महामारी विशेषज्ञ और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ रमन कुट्टी का कहना है, 'रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी इस बात का संकेत हो सकता है कि यह तीसरी लहर की शुरूआत हो सकती है, इसलिए अभी सावधान रहने की जरूरत है। राज्य में ऐसे लोगों की संख्या अभी बहुत अधिक है जिनके कोरोना ग्रस्त होने की आशंका ज्यादा है। इसलिए सरकार को नई कोवडि लहर से निपटने के लिए दूरगामी रणनीति बनाने की जरूरत है। इस समय केरल में देश के कुल कोरोना मामलों के 51 पर्सेंट मामले हैं। राज्य का सात दिनों का औसत 0.60 पर्सेंट है जबकि पूरे देश का यह 0.13 पर्सेंट है।

'केरल में कई लहरें आनी बाकी'

डॉ ए सुकुमारन का कहना है, यह एक आम सिद्धांत है कि जब जनसंख्या में रोगों के प्रति संवेदनशील लोगों की संख्या ज्यादा हो तो कोई भी वायरल इन्फेक्शन कई लहर में आता है। केरल में कोरोना के मामले कम होने से पहले अभी कई लहर आनी बाकी हैं। सुकुमारन केरल के पूर्व महामारी विशेषज्ञ हैं। वे रिटायर हो चुके हैं लेकिन वायनाड के कंट्रोल रूम में काम करने के लिए वापस लौटे हैं।' वह कहते हैं कि स्पैनिश फ्लू की भी चार लहरें आईं थीं लेकिन कोरोना के मामले में ये और ज्यादा आ सकती हैं क्योंकि अभी भी वायरल में बदलाव हो रहे हैं।

'केरल में कोरोना औरों से अलग'

आईएमए की रिसर्च सेल के वाइस चेयरमैन डॉ राजीव जयदेवन कहते हैं, शुरू से ही केरल में कोरोना देश के दूसरे हिस्सों से अलग तरह से फैला हे।

HEALTH CARE CLINIC
FAMILY PHYSICIAN & SURGEON
Dr. T N Teti (B.A.M.S.)
Mob : 9372912058
8852298775
Clinic Timing : 9:30 am to 10:30 pm
Shop 349 Plot 19, Gate No. 5 Malwani Malad (W), Mumbai : 400095

6 अरब की मिसाइल डील पक्की

अमेरिका से हारपून मिसाइलें खरीदेगा भारत, 30 देशों की सेनाएं इसका इस्तेमाल कर रहीं

नई दिल्ली। अमेरिका ने 82 मिलियन डॉलर (करीब 6 अरब 9 करोड़ 20 लाख 87 हजार 500 रु.) की एंटी शिप हारपून मिसाइल डील को मंजूरी दे दी है। इस मिसाइल के साथ भारत को इससे जुड़े कई दूसरे उपकरण भी दिए जाएंगे। भारत सरकार ने अमेरिका से हारपून मिसाइल खरीदने की इच्छा जाहिर की थी। बाइडेन प्रशासन ने आदेश में कहा कि इस डील से इंडो-पैसिफिक रीजन में उनके बड़े डिफेंस पार्टनर को अपनी सुरक्षा करने में मदद मिलेगी। दोनों देशों के संबंधों को मजबूती मिलेगी। पेंटागन

की डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्पोरेशन एजेंसी ने सोमवार को अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी का लेटर जारी किया। इसमें मिसाइल के मेंटेनेंस के लिए एक सर्विस स्टेशन खोलने, स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट देने और टेक्निकल डॉक्यूमेंट के अलावा पर्सनल ट्रेनिंग भी शामिल है। इसके अलावा इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट भी दिया जाएगा। इस डील को अमेरिका की साउथ एशिया में दबदबा बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के समय 2016 में यूएस ने भारत को अपना बड़ा डिफेंस पार्टनर घोषित किया था। जिस देश को अमेरिका ये टैग देता है, उसके साथ अमेरिकी टेक्नोलॉजी आसानी से शेयर की जा सकती है। डील के डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि इस डील से भारत को वर्तमान और भविष्य में आने वाले खतरों से निपटने में मदद मिलेगी।

बोइंग और सरकार के बीच होगी डील: पेंटागन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इस मिसाइल को अपनी आर्मी में शामिल करने में भारत को कोई दिक्कत नहीं होगी। डील अमेरिकी कंपनी बोइंग और भारत सरकार के बीच होगी। फिलहाल तक इसमें किसी ऑफसेट एंग्रीमेंट की बात सामने नहीं आई है। भारत सरकार नेगोशिएशंस (मोल-भाव) में इसका जिक्र कर सकती है।

हारपून का इतिहास: हारपून को दुनिया की सबसे सफल एंटी शिप मिसाइल माना जाता है। इसे 30 देशों की सेनाएं इस्तेमाल कर रही हैं। इसे सबसे पहले 1977 में डिप्लॉय किया गया था। किसी भी मौसम में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बोइंग के मुताबिक इसमें एक्टिव रडार गाइडेंस सिस्टम लगा हुआ है।

समाज के 'स्वास्थ्य' के लिए हानिकारक अपराध के आरोपी हैं कुंद्रा : अदालत

संवाददाता

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने सिने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा और उनके सहयोगी रेयान थोर्प की जमानत की अर्जी खारिज करते हुये कहा है कि दोनों को जिस कथित अपराध के लिए गिरफ्तार किया गया है, वह समाज के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक था, और ऐसे मामलों में समाज के हित की अनदेखी नहीं की जा सकती है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस बी भाजीपाले ने ऐप्स के माध्यम से अश्लील सामग्री के कथित निर्माण और उसकी स्ट्रीमिंग से संबंधित मामले में 28 जुलाई को कुंद्रा और थोर्प की जमानत अर्जी खारिज करते हुये यह टिप्पणी की। अदालत ने यह भी कहा कि पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया है। अदालत के आदेश की प्रति मंगलवार को ही उपलब्ध हुयी है। कुंद्रा और थोर्प को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने

19 जुलाई को गिरफ्तार किया था और अभी वह न्यायिक हिरासत में है। मजिस्ट्रेट ने कहा कि कथित अपराध समाज के स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है और एक व्यापक सामाजिक आयाम वाले अपराध के अभियोजन में सामाजिक हित को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आरोपियों ने बम्बई उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया है और यह कहते हुये अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है कि पुलिस ने गिरफ्तारी से पहले अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 41 ए के तहत जरूरी नोटिस जारी नहीं किया है। उच्च न्यायालय ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा है। हालांकि, मजिस्ट्रेट ने पाया कि मामले के जांच अधिकारी (आईओ) ने आवश्यकतानुसार गिरफ्तारी का कारण दर्ज किया था। उन्होंने कहा, यह अदालत 20 जुलाई (रिमांड के लिये सुनवाई के दौरान) को इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि यह गिरफ्तारी कानून के अनुसार हुयी है।

fresh &easy
GENERAL STORE
ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN :
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

बुलडाणा शहर को पानी की आपूर्ति करने वाला येळगांव जलाशय आज भी है प्यासा

बुलडाणा। जिले में पिछले सप्ताह से बारिश हो रही है, जिससे नदी, नालों का जलस्तर बढ़ गया है। बुलडाणा शहर और अन्य गांवों को पानी की आपूर्ति करने वाला येळगांव धरण पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण अभी तक यह जलाशय प्यासा है। धरण में केवल 25 प्रतिशत जल संग्रहण है। यह जलाशय केवल दो महीने तक चलेगा और मानसून के लिए केवल दो महीने शेष हैं। अगर बारिश मढ, पाडळी, देऊळघाट ईन ईलाको में बारिश होने का का अर्थ है पैंगगि में पुर से येलगांव जलाशय में पानी उपलब्ध होगा। पिछले वर्ष 30 जुलाई

तक येळगाव प्रकल्प 90 फीसदी जलसंग्रह हो गया था।लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण अभी तक यह जलाशय प्यासा है। बारिश के मौसम के दो माह बीत चुके हैं। जिले में अब तक औसत से भी कम बारिश हुई है। जबकि पिछले वर्ष इसी समय तक हालात काफी बहेतर थे। जिले में अब तक 342.9 प मिली बारिश दर्ज की गई है। मेहकर सिंदखेड राजा तहसील में औसत से अधिक 112.9 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है। बारिश के अभाव में जिले के सभी लघु एवं मध्यम प्रकल्पों के जल स्तर में सुधार नहीं हुआ है।

लोक अदालत में 7110 प्रकरणों का निपटारा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला अधिवक्ता संघ बुलडाना द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पैनल पूरे जिले में लगाया गया था। इन लोगों की अदालतों में सीधे और वस्तुतः दोनों तरह से मामले दर्ज किए गए थे। आपराधिक और दीवानी, मोटर वाहन दुर्घटना के मामले, चेक का भुगतान न करना, मामूली अपराध, भूमि अधिग्रहण के मामले और परिवार के दावों सहित कुल 4204 लंबित मामलों का निपटारा किया गया। साथ ही कुल 13393 प्री-फाइलिंग मामले दर्ज किए गए जो अभी तक दर्ज नहीं किए गए हैं। जिसमें से 1132 लम्बित एवं 5978 लम्बित प्रकरणों में से कुल 7110 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसमें से 20 करोड़ 40 लाख 90 हजार 751 रुपए कोर्ट फीस वसूल की गई। बुलडाणा में कुल 8 पैनल बनाए गए थे। तदर्थ जिला न्यायाधीश-1 आरबी रेहपाड़े, सह-नागरिक न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर श्रीमती एस.एस. पडोळीकर, द्वितीय सह-नागरिक न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर के एयू सुपेकर, सह-सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ स्तर के ए. जाधव और मुख्य दंडाधिकारी एसएस भूरे। यह लोक अदालत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुलडाणा। इसकी अध्यक्षता श्रीमती चित्रा हंकारे ने की। उन्होंने अधिवक्ता संघ से अपील की थी कि लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामले निपटाएं। सभी सरकारी अधिकारी, पुलिस अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव साजिद आरिफ सैयद, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एड. विजय सावले, सचिव अमर इंगले सहित अन्य सभी विधायक और पार्टी के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने इन लोगों की अदालतों के लिए मध्यस्थ के रूप में काम किया। शांतिकुमार सुभाष चंद्र महाजन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ लिपिक, गजानन प्रकाश मनमोडे, हेमंत अबराव देशमुख, वीएस मिल्के, ए. प्रवीण खार्चे, वकील सुबोध तायदे ने कोशिश की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के अनुसार, अधिकांश मामलों का निपटारा लोक अदालत में कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए, मास्क पहनकर, सामाजिक दूरी बनाकर और अन्य सभी मामलों का ध्यान रखते हुए किया गया।

राजस्थान हलचल

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन ने धनबाद निरसा के पूर्व विधायक सामाजिक रूप से समाज में बेहतर कार्य को देखते हुवे शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

धनबाद। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के द्वारा धनबाद निरसा के पूर्व विधायक व जे बी सी सी आई सदस्य अरूप चटर्जी को सामाजिक रूप से समाज में बेहतर कार्य को देखते हुवे शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम निरसा स्तिथ मसास कार्यालय में आयोजित किया गया तथा जिसमे धनबाद, झरिया तथा निरसा के पत्रकारगण उपस्थित हुवे, कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (ईरा) के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि ईरा भारतवर्ष के बाईस राज्यों में पत्रकारहित व समाजहित के लिए कार्यरत है तथा प्रत्येक वर्ष ईरा द्वारा दस वैसे लोगो

को चयन कर सम्मानित करती है जो समाजहीत तथा राष्ट्रीयहित के लिए अहम भूमिका निभाते है जिसे ईरा पदाधिकारी सदस्य स्वय उनके द्वार जा कर सम्मानित कर हौसला अफजाई करती है। ईरा सम्मान मिलने पर पूर्व विधायक सह जे बी सी सी आई सदस्य अरूप चटर्जी ने कहा कि इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (ईरा) का ये बहुत ही सरहनिये प्रयास है ऐसे सम्मान मिलने से हमलोग का सामाजिक रूप से कार्य करने में एक नई ऊर्जा प्रदान होती है, इस कार्यक्रम में ईरा उपाध्यक्ष एम. अली, सिथुन मोदक, नीरज राउत, संदीप कुमार वर्मा, महासचिव मो. जहांगीर, नीरज कुमार, विजेंद्र वर्मा व पवन गोप आदि पत्रकारगण उपस्थित थे।

चायल चौकी से गुजरने वाले वाहनों पर जमकर अवैध वसूली का वीडियो वायरल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कौशांबी। थाना पिपरी चौकी चायल से गुजरने वाली वाहन पर जमकर अवैध वसूली हो रही है। स्थिति यह है कि अवैध बालू वाहन सरेआम थाने चौकियों के सामने से ओवरलोड गुजर रहे हैं। इन पर कार्रवाई करने के बजाय पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है। दूसरी ओर चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली की चर्चाएं भी सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया। जहां चौकी चायल कि सिपाही वसूली करते हुए वीडियो में देखे गए। जो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है एक ऐसी ऑडियो भी वायरल हुई है जिसमें कुछ चौकी के चाटुकार पत्रकार चौकी इंचार्ज का समर्थन करते हुए खबर चलाने वाले पत्रकार बहुत दबाव बना रहे हैं बात यहीं नहीं रुकी हद तो तब हो गई एक पत्रकार ने दूसरे पत्रकार को चौकी में बैठाने और कार्रवाई करवाने तक की धमकी दे डाली। बात यहीं तक नहीं रुकी गाली तक दे डाला। कुछ दलाल पत्रकार अपने आप को बड़ा पत्रकार बताते हुए दूसरे पत्रकार को देते हैं धमकी क्योंकि पत्रकार द्वारा सच्चाई दिखाने पर बौखला जाते हैं यह मानसिकता दिखाती है कि पत्रकार द्वारा सिपाही को बचाने जैसा कृत्य करते हैं और अपने आप को बहुत बड़ा पत्रकार समझते हैं जोकि पत्रकार एक पत्रकार होता है और सच्चाई दिखाता है जो सच्चाई दिखाने पर उसको कमेंट बाजी नहीं करना चाहिए क्योंकि पत्रकार ही एक ऐसा शख्स है जो ईमानदारी से अपनी जान जोखिम में डालकर सच्चाई दिखाने की कोशिश करता है खुले आम हो रही दिनो रात अवैध वसूली पर जिला प्रशासन चाबुक चलाने को तैयार नहीं है। वसूली के खेल पर अधिकारी सिर्फ जांच की बात कहते रहते है लेकिन वो जांच कब होगी, जांच के लिए अधिकृत अधिकारी कौन नियुक्त होगा, जांच पूरी होकर रिपोर्ट कब सौंपी जायेगी इन सब सवालों पर अधिकारी सिर्फ मुंह चुराते नजर आते है। अब देखना यह है इस पर कार्रवाई होती है या यह वीडियो को ऐसे ही दबाने की कोशिश की जायगी।

सम्भल हलचल

नरौली के मोहल्ला काजीटोला में लगा निःशुल्क कोरोना टिकाकरण कैम्प

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। मंगलवार को जनपद सम्भल की नगर पँचायत नरौली में कोरोना वायरस से सुरक्षा हेतु प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे निःशुल्क टिकाकरण कैम्प का आयोजन स्वास्थय विभाग द्वारा मोहल्ला काजीटोला में सपा नेता शबाब अहमद के आवास पर किया गया। कैम्प में महिला पुरुषों को कोरोना से बचाव हेतु कोविड 19 वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगाई गई। नगर पंचायत नरौली से वार्ड दस से सभासद पद के प्रत्याशी शबाब अहमद ने लोगों को घर घर जाकर जागरूक किया और कैम्प में लाकर एक सौ पचास लोगों के लिए कोविड वैक्सीन लगवाई कोरोना वैक्सीन कैम्प में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरौली के स्टाफ द्वारा निःशुल्क टिकाकरण किया गया। कैम्प में डॉक्टर सईम अहमद, डॉक्टर मुकेश पाल,डॉक्टर पूनम सैनी, डॉक्टर रानी पिप्पल, डॉ०ज्योति यादव, डॉ नीलम ठाकुर, शबाब अहमद, अकील अहमद उर्फ बब्बू नेता, सपा नेता हाफिज रईस अहमद सलमानी, कामिल अनवर आदि लोग मौजूद रहे।

मधुबनी हलचल

बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के संगठन का हुआ विस्तारः मशकूर आलम

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी की एक बैठक प्राथमिक विद्यालय नाजिरपुर कन्या में आहुत की गई, जिसमें संगठन की मजबूती और संगठन के विस्तार पर गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने शिक्षण क्षेत्र में अनमोल योगदान को देखते हुए जिला प्रवक्ता सह जिला सचिव के पद पर श्री अरविन्द नाथ झा, जिला सचिव के पद पर मोहम्मद एहसान,प्रखण्ड उपाध्यक्ष रहिका के पद पर पवन कुमार पासवान और प्रखण्ड सचिव रहिका के पद पर अशोक कुमार पासवान को सर्वसम्मति से चयन किया। प्रखण्ड अध्यक्ष बेनिपट्टी श्री अखिलेश कुमार झा ने सभी चयनित सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर चयनित सदस्यों ने कहा कि हमलोग जिला अध्यक्ष मशकूर आलम का आभार प्रकट करते हैं, हमलोग सपथ लेते हैं कि हमेशा शिक्षकों की हितों के लिए जिम्मेदारी पुर्वक कार्य करता रहुंगा, संगठन के जरिए शिक्षक,छात्र और स्कूलों के लिए हर जगह अपना योगदान देता रहुंगा, संगठन को मजबूत करुंगा और संगठन के संघर्षात्मक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में हमेशा अपना योगदान दुंगा, इस पर जिला उपाध्यक्ष श्री तकी अख्तर ने कहा के ने कहा के संगठन हमेशा शिक्षकों की हितों के लिए कार्य करती है और हमेशा करती रहेगी, आज के बैठक में उपस्थित सदस्यों अभिषेक कुमार, चन्द्रलता कुमारी,नरेश भंडारी, श्रवण कुमार राय, प्रखण्ड प्रधान सचिव रहिका मोहम्मद सदरे आलम, संजिव कुमार पाठक, असगरी बेगम, रेणु कुमारी, आदि ने भी ने अपनी अपनी बात रखा।

देश के 70 % दलित और मुसलमान बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को बेहतर लीडर मानते हैं

संवाददाता/मो सालिम आजाद

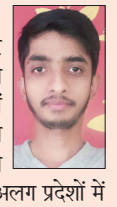

मधुबनी। लेकिन मुसलमान 30% ही AIMIM बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को सपोर्ट कर रहे हैं बिहार में जरूर नजारा कुछ अलग था बिहार का सीमांचल इलाका ऐसा है जहां लगभग 80% मुस्लिम एआईएमआईएम बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को सपोर्ट किए बाकी बिहार में मुसलमानों का अलग अलग नजरिया था भारत के अलग-अलग हिस्सों में अलग अलग प्रदेशों में अलग अलग नजरिया है। अगर मैं उत्तर प्रदेश की बात करूं तो उत्तर प्रदेश में मुसलमान असमंजस में है असमंजस मूल कारण क्षेत्रीय मुस्लिम लीडर अभी भी एआईएमआईएम से दूरी बनाए हुए हैं लेकिन आम मुसलमान एआईएमआईएम के तरफ देख रहा है उत्तर प्रदेश के मुसलमानों का एक बड़ा तबका बड़ी तेजी के साथ एआईएमआईएम के साथ जुड़ रहा है मुसलमानों का सभी पार्टियों से लगभग पूरी तरह से मोहभंग हो गया है क्योंकि मुसलमानों को सभी पार्टियों ने 74 सालों से छला है उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को अगर मजबूत मुस्लिम पार्टी मिले तो सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं यही हालात पूरे भारत के मुसलमानों का है अगर मजबूत विकल्प या मजबूत मजबूत लीडरशिप मिले मुसलमान तैयार है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बचपन से ही करें आंखों की, तेज रहेगी नजर !

पहले समय में बढ़ती उम्र के लोगों में आंखों से संबंधी समस्याएं सुनने और देखने को मिलती थी लेकिन आजकल कम उम्र के बच्चों में यह समस्या आम दिख रही है। ऐसा बदलते लाइफस्टाइल और लोगों के खान-पान में बदलाव होने के कारण होता है। बच्चे अपना ज्यादातर समय टी.वी, कंम्यूटर पर आंखें गड़ाए रखते है और पौष्टिक आहार से कोसो दूर रहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को उनकी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। अगर बचपन से ही बच्चे की आंखों पर ध्यान दिया जाएं तो आगे चलकर इनसे संबंधित कई तरह की समस्याओं से बचा सकता है।

1. आहार
संतुलित आहार, जिसमें लाल और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, गाजर, चुकंदर और पीले फल जिसमें शामिल हैं आम, पपीता जो कैरोटीन से भरपूर है जो बच्चों के लिए फायदेमंद होते है।

2. टी.वी देखना
बच्चे को ज्यादा देर तक टी.वी के पास न बैठने दें। टी.वी को अच्छी रोशनी वाले कमरे में रखें और अपने से 3.5 मीटर की दूरी पर इसको रखें।

3. कंम्यूटर का उपयोग
बच्चों को इसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण ढ़ंग से करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि आंखें थके नहीं। कंम्यूटर की स्क्रीन आंख के स्तर से नीचे होनी चाहिए, जिससे आंखों की रोशनी बनी रहती है और थकावट दूर रहती है।

4. आंखों को बार-बार हाथ लगाना
स्कूली बच्चों में एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस होता है इसलिए बच्चों को आंखों को बार-बार पोछने से मना करना चाहिए।

5. नियमित अन्तराल
पढ़ने, कंम्यूटर पर कार्य करने और ऐसे ही अन्य आंखों से होने वाले कार्यों के लिए नियमित अंतर बनाए रखें।

आप भी लेते हैं हॉट शॉवर, हो जाएं सावधान!

कुछ लोग सर्दी की शुरूआत से ही गर्म पानी से नहाना शुरू कर देते हैं। गर्म पानी से नहाना हर किसी को पसंद होता है क्योंकि इससे मांसपेशियां की अकड़ कम होती है। गर्म पानी से नहाने से जहां ठंड से राहत मिलती है वहीं इससे कई समस्याएं भी पैदा होती है। यह त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाता है इसलिए सर्दियों में हॉट शावर अधिक समय तक न लें। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है लोग गर्म पानी का इस्तेमाल अधिक करने लगते हैं। इसी के साथ लोग अधिक गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंचता है। दरअसल, अधिक गर्म पानी से नहाने से शरीर की ऊपरी सतह पर मौजूद ऑयली परत हट जाती है। ये सतह हमारी त्वचा के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह त्वचा में होने वाले दूसरे संक्रमण से बचाव करती है। इस लेयर के हटने के बाद त्वचा के संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। अधिक समय तक हॉट शावर लेने से कई बार चेहरे और होंठों पर सूजन भी आ जाती है।

घर पर ही करें हार्मोंस बैलेंस

हेल्दी रहने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है,हार्मोंस के असंतुलन से हेल्दी लाइफस्टाइल के बावजूद वजन बढ़ सकता है। हमारी भूख, नींद,मूड से लेकर सेक्स लाइफ तक हार्मोंस द्वारा प्रभावित होती है।ऐसे में जब भी हार्मोंस का असंतुलन होता है, तो इससे शरीर को हर वक्त थकान महसूस होती रहती है। इंफर्टिलिटी,पाचन से जुड़ी समस्याएं और कई मानसिक समस्याएं भी हार्मोंस में बदलाव के कारण होती हैं।हमारा स्वास्थ्य बिगड़ता है तो हमारे शरीर में बहुत जरूरी है कि हार्मोंस का संतुलन बना रहे, ताकि हम हमेशा स्वस्थ और फिट रहें। ऐसे में कुछ घरेलू तरीके अपनाकर आप अपने हार्मोंस को बैलेंस रख सकते है....

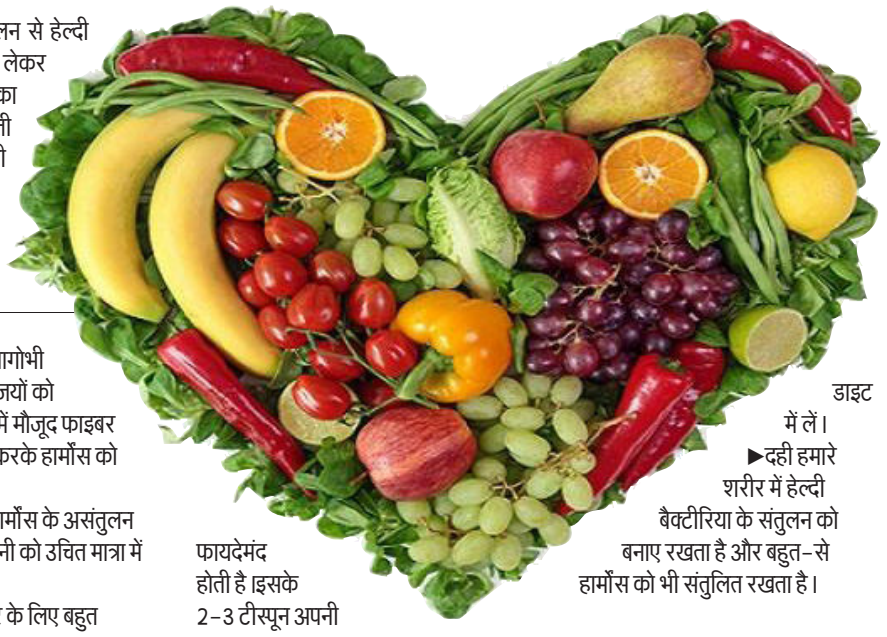

▶अपनी डाइट में कैफीन की मात्रा को कम करें।चाय-कॉफी को सीमित मात्रा में ही लें।

▶ नारियल तेल को अपने डायट में शामिल करें। यह हार्मोंस के संतुलन करने में मदद करता है। यह वजन को भी नियंत्रित करता है।

▶योग व प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।आप वॉकिंग और जॉगिंग भी कर सकते हैं।

▶ गाजर,ब्रोकोली, पत्तागोभी व फूलगोभी जैसी सब्जियों को अपनी डाइट में लें।इनमें मौजूद फाइबर टॉक्सिन्स को कंट्रोल करके हार्मोंस को बैलेंस करता है।

▶ पानी की कमी भी हार्मोंस के असंतुलन का कारण बनती है।पानी को उचित मात्रा में पीएं।

▶ अलसी हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है।इसके 2-3 टीस्पून अपनी डाइट में लें।

▶दही हमारे शरीर में हेल्दी बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखता है और बहुत-से हार्मोंस को भी संतुलित रखता है।

पति बनने से पहले छोड़ दे अपनी ये 6 आदतें

लड़के खुले मिजाज के होते हैं जो बिना किसी रोक-टोक के कहीं भी घूम सकते हैं, किसी के साथ भी दोस्ती कर सकते हैं। उन्हें किसी की परवाह नहीं होती लेकिन ऐसा शादी के पहले तो ठीक है। जब शादी हो जाएं तो इनको अपनी इन आदतों में बदलाव करना पड़ता हैं क्योंकि शादी का अनुभव हर एक व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई बदलाव जरूर लाता हैं। कुवारेंपन की जिंदगी की तरह ही शादीशुदा जिंदगी को जीना लड़कों और लड़कियों के जीवन में कठिनाईयां आ सकती हैं। इसलिए अपने इस नए शादीशुदा रिश्ते को खुशहाल और निरुत्साहित होने से बचाने के लिए अपने कुंवारेपन की कुछ आदतों को बदल लें। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएं जिन्हें आपको पति बनने से पहले ही छोड़ देना चाहिए।

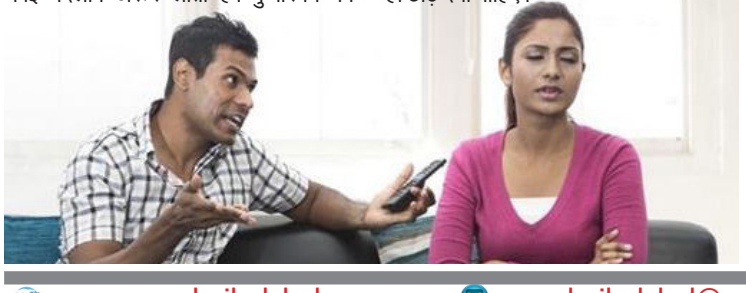

चाबियों और मोजों पर ध्यान

सभी पत्नियां चाहती हैं कि उनका पति जिम्मेदार हो। अपनी सभी चीजों का ध्यान रखें। छोटी-छोटी चीज के लिए मुझ पर निर्भर न हो। अगर आप अपनी इन छोटी जिम्मेदारी को पूरा करेंगे तो पत्नी आपकी तारीफ करेंगी।

स्पोर्ट्स और वीडियो गेम्स

कुछ मर्दों की आदत होती हैं, काम से वापस आकर टी. वी. या गेम्स खेलने में व्यस्त रहना। मर्दों को अपनी इस आदत को पति बनने से पहले छोड़ दोना चाहिए क्योंकि पत्नियां चाहती है कि आप उनकी तरफ ज्यादा ध्यान दें।

दोस्तों के साथ अधिक समय बिताना

शादी के बाद कभी-कभार दोस्तों के साथ घूमने पर पत्नी गुस्सा नहीं करती लेकिन अगर आप रोज-रोज अपना खाली समय अपनी बीवी के साथ न बिताकर, दोस्तों के साथ व्यस्त रहते है तो इससे आपके रिश्ते में मन-मिटाव आ सकता है।

घर को फैलाना बंद करें

शादी के बाद अपने तौलिये से लेकर आपकी गंदी टी शर्ट को पलंग पर फैलाकर रखना बंद कर दें। चीजों को बिखेरने के बजाएं पत्नी के साथ मिलकर घर की साफ-सफाई करें ।

घर को रेस्टारेंट न समझें

आपकी पत्नी आपके घर की कुक या वेटर नहीं है। वह दिन भर आपके घर के काम करने और आपको खाना परोसने के लिए नहीं आई है। इसलिए उसे ऑडर देने के बजाएं उसकी मदद करें।

लड़कों के तरफ की बात करना

शादी के बाद पत्नी ही आपकी अच्छी दोस्त होती है लेकिन फिर भी आप पूरा समय लड़कों की तरफदारी करने में लगे रहते है तो अपनी इस आदत को बदल दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कार्तिक की हीरोइन बनेंगी कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी को दनादन फिल्में मिल रही हैं। शेरशाह रिलीज होने वाली है और इसी बीच उन्हें कार्तिक आर्यन के साथ एक फिल्म मिल गई है जिसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक समीर विद्वंस इसे निर्देशित कर रहे हैं। पहले फिल्म का टाइटल सत्यनारायण की कथा था, लेकिन विरोध के कारण इसका नया टाइटल सोचा जा रहा है। मेकर्स एक नई जोड़ी की तलाश में थे और कार्तिक आर्यन के साथ उनके दिमाग में कियारा आडवाणी का ख्याल आया। वे दोनों पहले से ही भूल भुलैया 2 पर काम कर रहे हैं। फिल्म में जहां कार्तिक का नाम सत्या है और कियारा को कथा कहा जाएगा। यह एक लवस्टोरी बेस्ड फिल्म है जिसके म्यूजिक पर खासा काम किया जा रहा है। यह फिल्म दिसंबर 2021 में शुरू होगी।

टाइगर से वर्जिनिटी को लेकर पूछा सवाल

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान इन दिनों अपने चैट शो 'पिंच' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में इस शो का दूसरा सीजन शुरू हुआ है। उनके इस शो में कई सेलेब्स अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी को लेकर बड़े खुलासे करते नजर आते हैं। अरबाज खान के शो 'पिंच' में मशहूर हस्तियां ट्रोल्स, साइबर-बदमाशी का सामना करने और उनके मुकाबला करने के तंत्र के बारे में बात करती है। इस शो में जल्द ही बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ नजर आने वाले हैं। हाल ही में शो का टीजर सामने आया है, जिसमें टाइगर श्रॉफ ट्रोल्स और हेटर्स के बारे में अपनी राय देते नजर आ रहे हैं। शो के दौरान टाइगर श्रॉफ ने यूजर्स द्वारा पूछे गए वर्जिनिटी के सवाल का भी दिलचस्प जवाब दिया। ये सवाल टाइगर श्रॉफ के फैंस ने सोशल मीडिया के जरिए पूछे थे। एक फैन जानना चाहता था कि टाइगर श्रॉफ वर्जिन हैं या नहीं? एक्टर ने जवाब देते हुए कहा, देखो मैं सलमान भाईजान की तरह वर्जिन हूं।

कुणाल कपूर लॉन्च करेंगे अपना प्रोडक्शन हाउस

'रंग दे बसंती' फेम कुणाल कपूर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अभिनेता ने उस कहानी को भी चुन लिया है जिसे वह इसके माध्यम से बताना चाहते हैं। कुणाल ने इस खबर का खुलासा करते हुए कहा, मैं एक असिस्टेंट डायरेक्टर के दिनों से कहानियां लिख रहा हूं। और मैं न केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक निर्माता और निर्देशक के रूप में भी उन कहानियों को जीवित करना पसंद करूंगा। उन्होंने

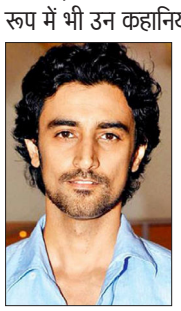

कहा, एक अभिनेता के रूप में, आपको किन कहानियों को बताने का मौका मिलता है, इस पर आपका बहुत कम नियंत्रण होता है। आप केवल वही चुन सकते हैं जो आपको पेश किया जाता है और आप किसी अन्य की दृष्टि का हिस्सा हैं। लेकिन एक निमार्ता के रूप में, आपके पास अपनी दृष्टि को जीवन में लाने का मौका होता है। कुणाल कपूर अपने प्रोडक्शन हाउस के तले छह बार विंटर ओलंपियन और विंटर ओलंपिक गेम्स में ल्यूज में भाग लेने वाले पहले भारतीय प्रतिनिधि जिन्हें 'इंडियाज फास्टेस्ट मैन ऑन आइस' के नाम से भी जाना जाता है, शिव केशवन की बायोपिक पर काम करेंगे। उन्होंने इस कहानी को क्यों चुना, इस बारे में बात करते हुए कुणाल कहते हैं, वह एक अद्भुत एथलीट हैं। मुझे शिव केशवन की ओर आकर्षित करने वाली सिर्फ यह बात नहीं थी कि उन्होंने छह बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, बल्कि यह भारत की भावना और उन अविश्वसनीय चीजों के बारे में भी एक कहानी थी जिन्हें हम सीमित संसाधनों के साथ हासिल करने में कामयाब होते हैं।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in